भजो रे मन, राम नाम सुखदाई

भजो रे मन, राम नाम सुखदाई।
राम नाम के दो अक्षर में.
सब सुख शान्ति समाई॥

भजो रे मन,
राम नाम सुखदाई।

राम को नाम लेत मुख से,
भवसागर तर जाई।
राम नाम भज ले मन मूरख,
बनत बनत बन जाई॥

भजो रे मन,
राम नाम सुखदाई।

राम नाम के कारण बन गई.
पागल मीरा बाई।
गणिका गिद्ध अजामिल तारे,
तारे सदन कमाई॥

भजो रे मन,
राम नाम सुखदाई।

झूठे बेरण में शबरी के
भर गई कौन मिठाई।
मीठे समझ के ना प्रभु खाए,
प्रेम की थी वो दिखाई॥

भजो रे मन,
राम नाम सुखदाई।

भजो रे मन, राम नाम सुखदाई।
राम नाम के दो अक्षर में.
सब सुख शान्ति समाई॥

भजो रे मन, राम नाम सुखदाई।
भजो रे मन, राम नाम सुखदाई।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2150/title/bhajo-re-man-ram-nam-sukhdai-ram-naam-ke-do-akshar-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |